>

Title: Need to ensure that poor people get proper medical treatment/facilities in private hospitals in Delhi and other states.

डॉ. राजन सुशान्त (कांगड़ा): सभापति महोदय, मेरा विषय इस प्रकार है - देश की राजधानी दिल्ली में एवं देश के कई राज्यों में बहुत से प्राइवेट हास्पिटल्स ऐसे हैं, जिन्होंने राज्य सरकारों से सस्ती दरों पर भूमि एवं अन्य कई सुविधाएं प्राप्त की हैं और बदले में गरीब जनता को अपने-अपने हॉस्पिटल्स में मुफ्त बेड देने के साथ-साथ कई सुविधाएं देने का वचन दिया है, शर्तें मानी हैं, परन्तु खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि दिल्ली हाई कोर्ट ने अभी हाल ही में इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल को इन शर्तों का उल्लंघन करने पर जुर्माना किया, लेकिन स्थिति में फिर भी सुधार नहीं हो रहा है। बुधवार, तीन मार्च को दोपहर के बाद एस्कोर्ट हार्ट इंस्टीट्यूट, मैक्स बालाजी हॉस्पिटल, बत्रा हास्पिटल सहित राजधानी के कई हास्पिटल्स में पाया गया कि 504 फ्री बेड्स, जो गरीबों के लिए थे, में से 384 खाली पड़े हैं। यहां गरीबों को देय सुविधाएं भी प्राप्त नहीं हो रही हैं और देखभाल भी सही ढंग से नहीं हो रही है। अतः भारत सरकार से मेरा विशेष आग्रह है कि राजधानी दिल्ली सहित देश की सभी राज्य सरकारों को कड़े निर्देश दें कि मानी हुई शर्तों का कड़ाई से पालन हो और प्राइवेट अस्पतालों में गरीब देशवासियों को सही वह सस्ती चिकित्सा उपलब्ध कराई जा सके।